पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

लखनऊ नगर निगम की महापौर एवं पार्षदों का एक वर्ष पूरे होने पर समारोह का आयोजन
राज्यपाल ने पूर्व पार्षदों सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया

लखनऊः 12 दिसम्बर, 2018

नगर निगम लखनऊ के महापौर एवं पार्षदों के एक वर्ष पूरे होने पर नगर निगम के त्रिलोकनाथ हाल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, उप मुख्य मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा, महिला कल्याण एवं पर्यटन मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी, राज्य मंत्री ग्रामीण विकास डॉ0 महेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री नगर विकास श्री गिरीश चन्द्र यादव, महापौर डॉ0 संयुक्ता भाटिया, पूर्व महापौर श्री दाऊजी गुप्ता, पार्षदगण, पूर्व पार्षदगण व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा नगर निगम की 'विकास स्मारिका-2018' का विमोचन किया गया तथा लखनऊ नगर निगम क्षेत्र के स्वनामधन्य विभूतियों का अभिनन्दन स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर किया गया।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी के साथ-साथ एक सांस्कृतिक नगरी है। संकल्प लें कि यह शहर अधिक अच्छा बने। स्मार्ट सिटी, स्वच्छता अभियान और शौचालय निर्माण कार्यक्रम सफल हों इसके लिए सबको प्रयास करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार एक निर्वाचित सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सांसद निधि मिलती है, उसी प्रकार मुंबई के नगर निगम के पार्षदों को अपने क्षेत्र के विकास के लिए 1 करोड़ 60 लाख रूपये वार्षिक निधि का प्राविधान है तथा मानधन के अन्तगत प्रत्येक पार्षद को 26 हजार 7 सौ रूपये प्रति माह दिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि उसी प्रकार यहां भी पार्षदों के लिए भी निधि पर विचार करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार से लखनऊ नगर निगम को मिलने वाली धनराशि के लिए वे पूर्व की तरह सेतु की भूमिका निभायेंगे।

श्री नाईक ने अपने सम्बोधन में कहा कि निर्वाचित जन प्रतिनिधि को यह समझना चाहिए कि वह अपने क्षेत्र का प्रतिनिधि है चाहे उसे वहां से वोट मिला हो या न मिला हो। ऐसी सोच विकसित होगी तो यह जनतंत्र के लिए एक अच्छी शुरूआत होगी। राज्यपाल ने नगर निगम की एक साल की कार्यवाही जारी करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन लोंगो ने अपना जन प्रतिनिधि चुनकर भेजा है उन्हें यह जानकारी मिलनी चाहिए कि उनके प्रतिनिधि ने गत एक वर्ष में क्या काम किया। उन्होंने बताया कि 1978 से 2018 यानि विधायक से लेकर राज्यपाल के दायित्व निभाने तक हर साल वे अपने वार्षिक कार्यवृत अलग-अलग शीर्षक से गत 40 सालों से प्रतिउत्तर के रूप में प्रकाशित करते हैं। उप मुख्य मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि लखनऊ नगर निगम श्रेष्ठतम नगर निगम बने। लखनऊ नगर निगम से उनका गत 11 वर्षों का भावनात्मक जुड़ाव है। नगर निगम स्वालम्बी कैसे हो इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे नगर निगम के अधिकार और बढ़ाने के पक्षधर हैं।

महापौर डॉ0 संयुक्ता भाटिया ने नगर निगम लखनऊ द्वारा एक वर्ष में किये गये कार्य की जानकारी दी।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (485/16)

नगर निगम, लखनऊ की निर्वाचित